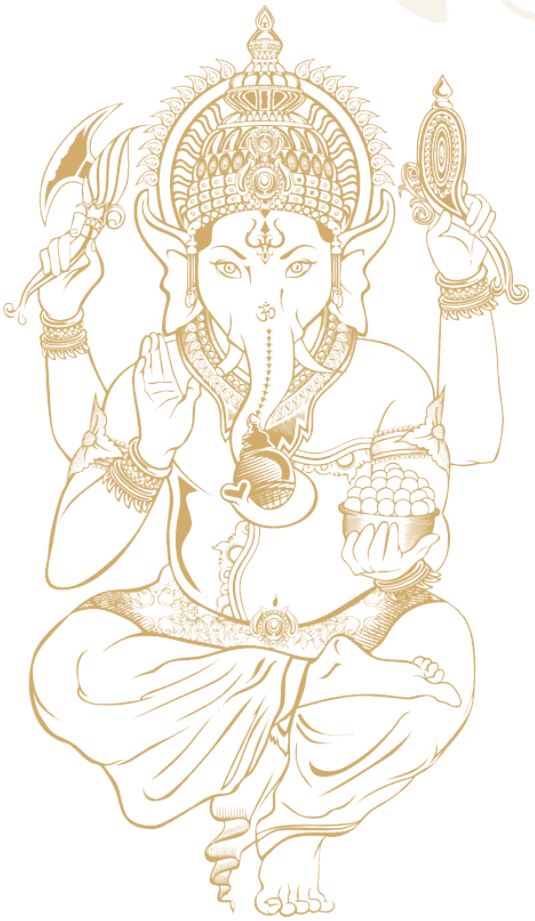

Nani

23 Feb 2021

08:53 AM

Siliguri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121684705

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/02/2021**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:53:00 घंटे**
इष्ट	06:57:31 घटी
स्थान	**Siliguri**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	88:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:16:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:21 घंटे
साम्पातिक काल	19:29:43 घंटे
सूर्योदय	06:05:59 घंटे
सूर्यास्त	17:33:35 घंटे
दिनमान	11:27:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:34:55 कुम्भ
लग्न के अंश	06:20:10 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छवि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:20:10	467:07:07	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	10:34:55	01:00:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	18:04:57	12:39:29	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			वृष	00:40:17	00:34:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध			मक	17:07:06	00:13:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			मक	21:07:08	00:13:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	02:50:26	01:15:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मक	13:40:54	00:06:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	22:32:18	00:03:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:32:18	00:03:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मेष	13:14:53	00:01:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	25:53:16	00:02:13	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो			मक	01:43:34	00:01:38	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			धनु	26:35:26	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:53

लग्न-चलित

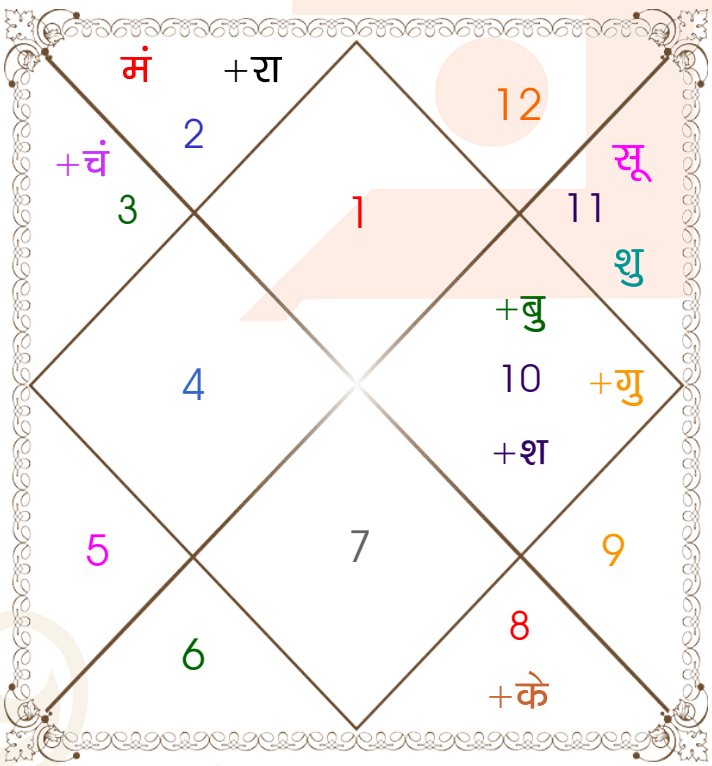

चन्द्र कुंडली

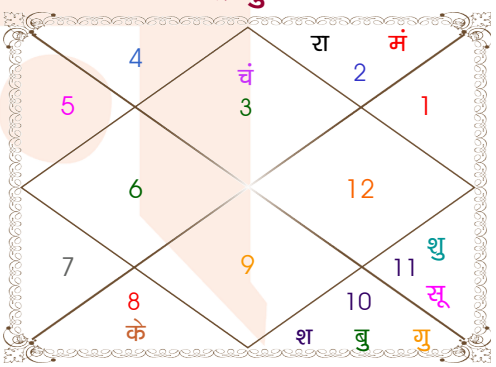

नवमांश कुंडली

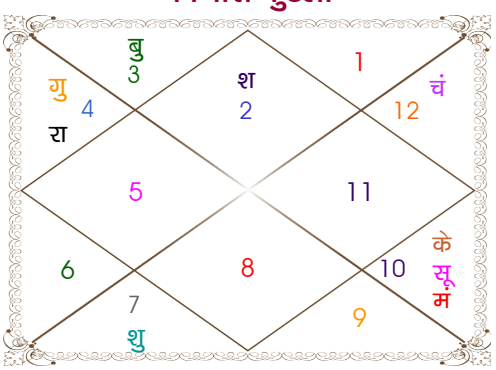

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 7 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/02/2021		26/09/2023		26/09/2039		26/09/2058		26/09/2075	
26/09/2023		26/09/2039		26/09/2058		26/09/2075		26/09/2082	
	00/00/0000	गुरु	14/11/2025	शनि	29/09/2042	बुध	22/02/2061	केतु	22/02/2076
	00/00/0000	शनि	27/05/2028	बुध	08/06/2045	केतु	19/02/2062	शुक्र	24/04/2077
	00/00/0000	बुध	02/09/2030	केतु	18/07/2046	शुक्र	20/12/2064	सूर्य	29/08/2077
	00/00/0000	केतु	09/08/2031	शुक्र	17/09/2049	सूर्य	26/10/2065	चंद्र	31/03/2078
	00/00/0000	शुक्र	09/04/2034	सूर्य	30/08/2050	चंद्र	28/03/2067	मंगल	27/08/2078
	23/02/2021	सूर्य	26/01/2035	चंद्र	30/03/2052	मंगल	24/03/2068	राहु	14/09/2079
सूर्य	09/03/2021	चंद्र	27/05/2036	मंगल	09/05/2053	राहु	11/10/2070	गुरु	20/08/2080
चंद्र	08/09/2022	मंगल	03/05/2037	राहु	15/03/2056	गुरु	16/01/2073	शनि	29/09/2081
मंगल	26/09/2023	राहु	26/09/2039	गुरु	26/09/2058	शनि	26/09/2075	बुध	26/09/2082

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/09/2082		27/09/2102		27/09/2108		27/09/2118		27/09/2125	
27/09/2102		27/09/2108		27/09/2118		27/09/2125		00/00/0000	
शुक्र	26/01/2086	सूर्य	15/01/2103	चंद्र	28/07/2109	मंगल	23/02/2119	राहु	09/06/2128
सूर्य	26/01/2087	चंद्र	16/07/2103	मंगल	26/02/2110	राहु	13/03/2120	गुरु	03/11/2130
चंद्र	26/09/2088	मंगल	21/11/2103	राहु	28/08/2111	गुरु	17/02/2121	शनि	09/09/2133
मंगल	26/11/2089	राहु	15/10/2104	गुरु	27/12/2112	शनि	28/03/2122	बुध	28/03/2136
राहु	25/11/2092	गुरु	03/08/2105	शनि	28/07/2114	बुध	26/03/2123	केतु	15/04/2137
गुरु	27/07/2095	शनि	16/07/2106	बुध	28/12/2115	केतु	22/08/2123	शुक्र	15/04/2140
शनि	26/09/2098	बुध	23/05/2107	केतु	28/07/2116	शुक्र	21/10/2124	सूर्य	24/02/2141
बुध	28/07/2101	केतु	27/09/2107	शुक्र	28/03/2118	सूर्य	26/02/2125		00/00/0000
केतु	27/09/2102	शुक्र	27/09/2108	सूर्य	27/09/2118	चंद्र	27/09/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।